Roll No. ..... Total Pages : 6

4601

M.A. (Previous) Examination, 2015

RAJASTHANI SAHITYA

Paper–I

(Prachin Avam Madhyakalin Gadya)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

PART–A [Marks : 20]

(खण्ड-अ)

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B [Marks : 50]

(खण्ड-ब)

Answer *five* questions (250 words each). Select *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C [Marks : 30]

(खण्ड-स)

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–A

(खण्ड-अ)

UNIT–I

(इकाई–I)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस शब्दों में दीजिए :

(i) रिणमल मेवाड़ के किस महाराणा के पास गया?

(ii) रिणधीर चूंडावत किसके पक्ष में था?

UNIT–II

(इकाई–II)

(iii) रतनसिंह ने राज्य का कार्यभार युद्ध के लिए प्रस्थान करने से पूर्व किसको सौंपा था?

(iv) सुपियारदे की पहली सगाई किसके साथ हुई थी और विवाह किसके साथ हुआ था?

UNIT–III

(इकाई–III)

(v) रतनसिंह ने युद्ध के लिए प्रस्थान से पूर्व किसका दान और कहाँ किया था?

(vi) नैतिकता से क्या अभिप्राय है?

UNIT–IV

(इकाई–IV)

(vii) बैताल पच्चीसी का संपादक कौन है?

(viii) दवावैत किस कोटि की रचना है?

UNIT–V

(इकाई–V)

(ix) ख्यात किस प्रकार की रचना है?

(x) माता जी री वचनिका के रचयिता कौन हैं?

PART–B

(खण्ड-ब)

UNIT–I

(इकाई–I)

2. सिद्ध कीजिए कि बैताल पच्चीसी की कथाएँ कथानक रूढ़ियों से मुक्त हैं।

3. स्पष्ट कीजिए कि बैताल पच्चीसी की कथाएं नीति-आधारित हैं।

UNIT–II

(इकाई–II)

4. 'वचनिका राठौड़ रतनसिंघ महेस दासौत री खिडिया जगा री कही' के प्रमुख पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए।

5. 'वचनिका राठौड़ रतनसिंघ महेस दासौत री खिडिया जगा री कही' के कला-पक्ष पर प्रकाश डालिए।

UNIT–III

(इकाई–III)

6. ख्यात तत्वों के आधार पर 'बात पाबूजी री' का मूल्यांकन कीजिए।

7. ख्यात री कसौटी पर 'बात रिणमल जी री' का परीक्षण कीजिए।

UNIT–IV

(इकाई–IV)

8. निम्नांकित पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

इन्द्री पंच जीपै महासूर अेहा।
जगज्जेठ जोधा हणूमान जेहा।।
न भारवै अली जीह नाकार नाणे।
जड़ेवा खित्री ध्रम्म आचार जाणे।।

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ताहरां पाबूजी लो जाय जाजम बैठा नै गोगोजी हाथ में बरछी लेनै घोड़ां री खबर करण गया। आगै देखै तो कासूं पाणी रो हवद भरियौ छै। तै रै मांहै एक नाव छै, तै नाव में घोड़ा दोनूं तिरै छै। हवद ऊंडो बोहत। गोगोजी बिचारी जुआ म्हनै पाबूजी करामान दिखाअी छै।

UNIT–V

(इकाई–V)

10. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तरइ स्त्री उतांवली चूकि। भत्तरि रो मस्तक मित्र रइ धड़ जोड़ीयो। मित्र रो मस्तक भत्तरि रा धड़ ऊपरि जोडीयौ। तरइ बैंड बइठा सजीव हुआ। माहते मांहि वादलागौ। देवी अदृष्ट हुई। झगडौ करइ। एक करै स्त्री हुं लेईस। बीजौ कहै हूं लईस।

11. राजस्थानी के एक प्रसिद्ध ख्यालकार की रचनाओं पर आलेख लिखिए।

PART–C

(खण्ड-स)

UNIT–I

(इकाई–I)

12. 'वाल गागै वीरम दे री' का सविस्तार विवेचन कीजिए।

UNIT–II

(इकाई–II)

13. 'वचनिका राठौड़ रतनसिंघ री महेस दासोत री खिडिया जगा री कही' एक ऐतिहासिक-साहित्यिक कृति है। कथन का विवेचन कीजिए।

UNIT–III

(इकाई–III)

14. वचनिका एवं दवावेत का अंतर स्पष्ट कीजिए।

UNIT–IV

(इकाई–IV)

15. बैताल पच्चीसी की कथाएं वर्तमान समाज के घटते नैतिक मूल्यों के लिए उपदेशप्रद रचना है। कथन का विवेचन कीजिए।

UNIT–V

(इकाई–V)

16. प्राचीन वात साहित्य पर निबंध लिखिए।